अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के छोटे उधार खाते: 2014*

मूल सांख्यिकीय विवरणी (बीएसआर) प्रणाली मार्च 2013 के सर्वेक्षण के बाद से बीएसआर-1 विवरणी के जरिए सभी उधार खातों का खाता-वार विवरण एकत्रित करती है। पूर्ववर्ती वर्षों में इस प्रकार के विवरण बड़े उधार-खातों के लिए एकत्र किए जाते थे और छोटे उधार खातों(एसबीए) की प्रोफाइल प्राप्त करने के लिए अलग से आवधिक नमूना सर्वेक्षण किए जाते थे। इस प्रकार का अंतिम सर्वेक्षण 31 मार्च 2008 को किया गया था और इसके परिणामों को संदर्भ तारीख के रूप में भारतीय रिज़र्व बैंक बुलेटिन के मई 2011 अंक में प्रकाशित किया गया था। बीएसआर-1 में सभी उधार खातों के लिए खाता-स्तरीय आंकड़ों को एकत्र करने से ऐसे उधार खातों जिनमें से प्रत्येक की सीमा ₹0.2 मिलियन या उससे कम है (छोटे उधार खातों के रूप में संदर्भित) के संबंध में विस्तृत सूचना अब उपलब्ध है। यह लेख बीएसआर-1 पर आधारित छोटे उधार खातों का 31 मार्च 2014 की स्थिति के अनुसार एक विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिसकी तुलना 31 मार्च 2013[1] की स्थिति के साथ की जा सकती है। मार्च 2014 में, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों सहित) में 138.8 मिलियन उधार खाते थे जिनमें से 109.2 मिलियन खातों की क्रेडिट सीमा ₹200,000 (एसबीए) तक थी और वे सभी उधार खातों का 78.7 प्रतिशत थे। तथापि, कुल बकाया क्रेडिट के प्रतिशत के रूप में बकाया राशि में उनकी हिस्सेदारी महज 8.4 प्रतिशत ही थी।अधिकांश छोटे उधार खाते घरेलू क्षेत्र से संबंधित हैं, विशेषरूप से व्यक्तिगत और कुछ क्षेत्रों में ही संकेंद्रित हैं जैसे कि कृषि, छोटे व्यवसाय, खुदरा व्यापार और वैयक्तिक ऋण। यह लेख, खाते का प्रकार, क्षेत्र, संगठनात्मक श्रेणी, ब्याज दर, ऋण गुणवत्ता, उधारकर्ता की श्रेणी और आबादी समूह आदि विभिन्न श्रेणीगत विशेषताओं के रूप में छोटे उधार खातों की विशेषताओं को प्रस्तुत करता है।

* भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई के सांख्यिकीय और सूचना प्रबंध विभाग के बैंकिंग सांख्यिकीय प्रभाग में तैयार किया गया।

[1] मार्च 2013 और 2014 के लिए बीएसआर-1 सर्वेक्षण पर विस्तृत डेटा, वार्षिक प्रकाशन, 'भारत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल सांख्यिकीय विवरणियाँ' भाग 42 और 43 में उपलब्ध हैं। यह भाग चुनिंदा एसबीए के संदर्भ में भी डेटा उपलब्ध करता है।

I-परिचय:

1. मूल सांख्यिकीय विवरणी (बीएसआर) प्रणाली जो 1972 से प्रचलन में है, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) की क्रेडिट से संबंधित सूचना दो भागों में एकत्र करती थी-बड़े खातों के संबंध में बीएसआर-1ए विवरणी के जरिए विस्तृत खाता स्तरीय सूचना और विविध मानदंडों के आधार पर शाखा स्तरीय क्रेडिट आंकड़ों का समेकन बीएसआर-1बी विवरणी के जरिए किया जाता था। बैंकिंग क्षेत्र में हुई गतिविधियों और बैंकों की रिपोर्टिंग अपेक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कट-ऑफ सीमा को आवधिक रूप से संशोधित किया जाता था। बीएसआर-1ए और 1बी के बीच बंटवारे की कट-ऑफ सीमा 1983 तक ₹10,000 थी और इसके बाद इसे संशोधित कर ₹25,000 कर दिया गया था। 1999 से कट-ऑफ सीमा को बढ़ा कर ₹200,000 कर दिया था और यह 2012 तक वही बनी रही। सूचनाओं के अंतर को साधने के लिए छोटे उधार खातों के संबंध में आवधिक सर्वेक्षण किए गए और उनके मुख्य परिणामों को भारतीय रिज़र्व बैंक के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया। इस प्रकार का अंतिम सर्वेक्षण मार्च 2008 में किया गया था जिसे संदर्भ तारीख के रूप में रूप में लिया गया है और इसे मई 2011 के भारतीय रिज़र्व बैंक के बुलेटिन में प्रकाशित किया गया था। उन्नत कंप्यूटर सुविधाओं की उपलब्धता होने से, मार्च 2013 से बीएसआर-1 विवरणी में क्रेडिट सीमा का संज्ञान न लेते हुए, एससीबी के पास मौजूद सभी क्रेडिट खातों की खाता स्तरीय सूचना एकत्र की जा रही है और बीएसआर-1बी विवरणी के तहत समेकित रिपोर्टिंग को समाप्त कर दिया गया है।

2. यह लेख, मार्च 2013 और मार्च 2014 के लिए बीएसआर-1 विवरणी से प्राप्त एससीबी के सभी क्रेडिट खातों के लिए विस्तृत खाता स्तरीय आंकड़ों पर आधारित है। भाग-II में पिछले वर्षों के दौरान एसबीए की सामान्य प्रोफाइल को प्रस्तुत किया गया है। भाग-III में विभिन्न श्रेणीकरण विशेषताओं के अनुसार एसबीए की प्रमुख विशेषताओं तथा सभी क्रेडिट खातों के बीच तुलना दर्शाई गई है। भाग-IV में मार्च 2013 और 2014 के लिए एसबीए की स्थिति का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

II. छोटे उधार खाते: एक नज़र में:

3. पिछले पंद्रह वर्षों केबीएसआर के आंकड़े यह दर्शाते हैं कि खातों की संख्या और बकाया राशि दोनों रूपों में कुल क्रेडिट में

चार्ट 1: छोटे उधार खाते: एक नज़र में

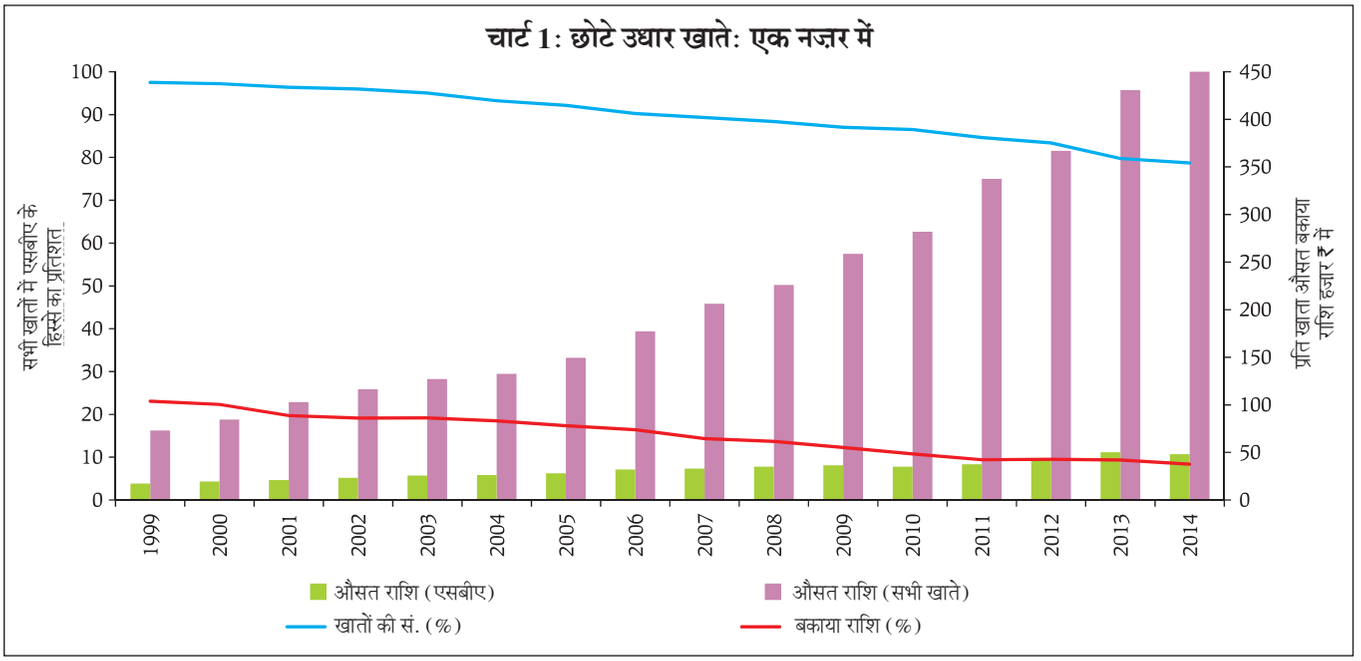

एसबीए की भागीदारी में उल्लेखनीय गिरावट आई है (चार्ट-1, सारणी-1)। मार्च 2014 में एसबीए की संख्या जहां मार्च 1999 की संख्या के दोगुणे से कुछ अधिक थी, वहीं 15 वर्ष की अवधि के दौरान बड़े उधार खातों (प्रत्येक ₹0.2 मिलियन की उधार सीमा से अधिक) की संख्या में 22 गुणे से अधिक का इज़ाफा हुआ।

4. एसबीए खातों की संख्या की भागीदारी में गिरावट आई

सारणी 1: छोटे उधार खाते: एक नज़र में

(खातों की सं. हजार में, राशि ₹ मिलियन में)

31 मार्च की स्थिति के अनुसार	छोटे उधार खाते			सभी खाते			सभी खातों में एसबीए के हिस्से का प्रतिशत	
	खातों की सं.	बकाया राशि	प्रति खाता औसत बकाया राशि हजार ₹ में	खातों की सं.	बकाया राशि	प्रति खाता औसत बकाया राशि हजार ₹ में	खातों की सं. (%)	बकाया राशि (%)
1999	50,997	882,816	17.3	52,305	3,824,250	73.1	97.5	23.1
2000	52,856	1,027,447	19.4	54,370	4,600,807	84.6	97.2	22.3
2001	50,456	1,062,942	21.1	52,364	5,384,338	102.8	96.4	19.7
2002	54,130	1,256,490	23.2	56,388	6,559,931	116.3	96.0	19.2
2003	56,527	1,450,572	25.7	59,491	7,559,688	127.1	95.0	19.2
2004	61,900	1,626,998	26.3	66,390	8,803,120	132.6	93.2	18.5
2005	71,106	1,998,800	28.1	77,151	11,524,679	149.4	92.2	17.3
2006	77,122	2,484,982	32.2	85,435	15,138,421	177.2	90.3	16.4
2007	84,347	2,788,949	33.1	94,442	19,470,996	206.2	89.3	14.3
2008	94,554	3,310,219	35.0	106,990	24,170,065	225.9	88.4	13.7
2009	95,801	3,498,645	36.5	110,056	28,477,131	258.8	87.0	12.3
2010	102,632	3,607,447	35.1	118,648	33,451,693	281.9	86.5	10.8
2011	102,155	3,838,881	37.6	120,724	40,756,470	337.6	84.6	9.4
2012	109,111	4,566,214	41.8	130,881	48,032,669	367.0	83.4	9.5
2013	102,305	5,148,328	50.3	128,286	55,253,170	430.7	79.7	9.3
2014	109,225	5,266,911	48.2	138,751	62,820,824	452.8	78.7	8.4

है और यह 1999 के 97.5 प्रतिशत से कम होकर 2014 में 78.7 प्रतिशत हो गया है। एसबीए के मामले में प्रति खाते की औसत राशि में वृद्धि हुई है, यह ₹17.3 हजार से बढ़कर ₹48.2 हजार हो गई है, जबकि सभी खातों के लिए यह ₹73.1 हजार से बढ़कर ₹452.8 हजार हो गई है। यह दर्शाता है कि बड़े ऋणों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जो कुल ऋण में उनकी उच्चतर भागीदारी दिखाता है। परिणामस्वरूप, बकाया राशि में एसबीए की भागीदारी मे कमी हुई है जो मार्च 1999 के 23.1 प्रतिशत से कम होकर मार्च 2014 में 8.4 प्रतिशत हो गई (सारणी-1)।

III. सभी प्रकार उधार खातों के साथ छोटे उधार खातों की तुलना: मार्च 2014

III.1. खाते का प्रकार

5. मांग ऋणों के संदर्भ में, (किसान क्रेडिट कार्डों और अन्य क्रेडिट कार्डों सहित) संख्या के रूप में, सभी खातों का लगभग 90 प्रतिशत भाग मार्च 2014 में छोटे उधारकर्ताओं का था (सारणी-2)। दूसरी ओर, दीर्घावधि ऋणों और अन्य ऋणों में एसबीए की भागीदारी संगत रूप से कम थी जो क्रमशः 55.5 प्रतिशत और 41.4 प्रतिशत थी। यह इस तथ्य के अनुरूप ही है कि ये मुख्यतः व्यापारिक और कारपोरेट ऋण हैं जिनका आकार बड़ा होना अपेक्षित होता है।

6. राशि के संदर्भ में, 'किसान क्रेडिट कार्ड(केसीसी)' और 'केसीसी से इतर अन्य प्रकार के कार्डों' के खातों में बकाया ऋण की भागीदारी में एसबीए का अंश लगभग 60 प्रतिशत था, जो यह दर्शाता है कि अधिकतर क्रेडिट कार्डों के ऋण कम मूल्य वाले हैं। मांग ऋणों में बकाया राशि का 33.4 प्रतिशत एसबीए से संबंधित था। नकद उधारों, ओवर-ड्राफ्ट और दीर्घावधि ऋणों के मामले में, एसबीए की भागीदारी 3 से 4 प्रतिशत की थी।

7. जबकि कुल ऋणों में दीर्घावधि ऋणों (41.1 प्रतिशत) और नकद उधार खातों (19.6 प्रतिशत) की भागीदारी अधिक थी, एसबीए के मामले में मांग ऋणों (56.2 प्रतिशत) और दीर्घावधि ऋणों (20.6 प्रतिशत) की बकाया राशि में उल्लेखनीय भागीदारी रही (सारणी-2)।

III.2: व्यवसाय

8. कृषि ऋणों (प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों) के मामले में 86.6 प्रतिशत खातों में 41.2 प्रतिशत राशि मार्च 2014 में छोटे खातों में बकाया है। वैयक्तिक ऋणों, खुदरा व्यापार और प्रोफेशनल सेवा क्षेत्रों के मामले में खातों की संख्या में एसबीए का आधिक्य है और इनकी भागीदारी 68-78 प्रतिशत है और बकाया क्रेडिट का एक-चौथाई बकाया वैयक्तिक ऋणों के मामले से संबंधित है। खातों की संख्या के दृष्टिकोण से एसबीए में 25 प्रतिशत की भागीदारी आवास क्षेत्र की है परंतु 1.9 प्रतिशत की बकाया राशि

सारणी 2: छोटे उधार खाते: खाता-वार प्रकार: मार्च 2014

(खातों की सं. हजार में, राशि ₹ मिलियन में)

खाते का प्रकार	छोटे उधार खाते			सभी खाते			सभी खातों में एसबीए का प्रतिशत हिस्सा	
	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि का हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि का हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि
नकद क्रेडिट	7,403	385,927	7.3	9,692	12,332,418	19.6	76.4	3.1
ओवरड्राफ्ट	4,789	121,882	2.3	6,824	3,973,756	6.3	70.2	3.1
मांग ऋण	62,656	2,957,997	56.2	69,394	8,855,380	14.1	90.3	33.4
जिसमें से:								
किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी)	*22,305*	*1,314,554*	*25.0*	*25,131*	*2,265,879*	*3.6*	*88.8*	*58.0*
केसीसी के अलावा अन्य क्रेडिट कार्ड	*15,716*	*185,645*	*3.5*	*17,293*	*304,952*	*0.5*	*90.9*	*60.9*
मध्यम अवधि ऋण	15,890	702,318	13.3	19,459	7,973,179	12.7	81.7	8.8
दीर्घावधि ऋण	18,334	1,084,047	20.6	33,013	25,817,727	41.1	55.5	4.2
अन्य	153	14,742	0.3	369	3,868,363	6.2	41.4	0.4
सभी खाते	**109,225**	**5,266,911**	**100.0**	**138,751**	**62,820,824**	**100.0**	**78.7**	**8.4**

सारणी 3: छोटे उधार खाते: व्यवसाय-वार: मार्च 2014

(खातों की सं. हजार में, राशि ₹ मिलियन में)

व्यवसाय	छोटे उधार खाते			सभी खाते			सभी खातों में एसबीए का प्रतिशत हिस्सा	
	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि का हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि का हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि
कृषि (प्रत्यक्ष वित्तपोषण)	56,092	3,270,346	62.1	64,692	7,092,985	11.3	86.7	46.1
कृषि (परोक्ष वित्तपोषण)	3,596	195,229	3.7	4,258	1,325,486	2.1	84.4	14.7
उद्यम	1,532	73,876	1.4	3,005	26,162,579	41.6	51.0	0.3
ट्रांसपोर्टर परिचालक	1,080	53,470	1.0	2,104	1,296,942	2.1	51.4	4.1
पेशेवर सेवाएं	2,100	98,115	1.9	3,082	4,704,367	7.5	68.1	2.1
वैयक्तिक ऋण	33,533	1,159,853	22.0	43,058	4,864,949	7.7	77.9	23.8
आवास ऋण	1,656	100,754	1.9	6,637	5,306,055	8.4	25.0	1.9
थोक व्यापार	167	11,339	0.2	384	2,838,752	4.5	43.6	0.4
खुदरा व्यापार	4,709	199,050	3.8	6,133	2,901,580	4.6	76.8	6.9
वित्त	339	17,304	0.3	500	5,067,537	8.1	67.7	0.3
अन्य सभी	4,421	87,577	1.7	4,898	1,259,593	2.0	90.3	7.0
सभी खाते	**109,225**	**5,266,911**	**100.0**	**138,751**	**62,820,824**	**100.0**	**78.7**	**8.4**

यह संकेत करती है कि आवास ऋण मुख्यतः उच्चतर अंकन के हैं (सारणी 3)।

9. सभी प्रकार के एसबीए को देखें तो इसमें कृषि को दिए जाने वाले क्रेडिट (प्रत्यक्ष और परोक्ष) की भागीदारी 65.8 प्रतिशत के साथ अधिकतम थी, इसके बाद काफी बड़े अंतर पर वैयक्तिक ऋण (22.0 प्रतिशत) थे। इसके विपरीत, कुल ऋण का 41.6 प्रतिशत उद्यम क्षेत्र को दिया गया और केवल 13.4 प्रतिशत कृषि क्षेत्र को दिया गया।

III.3: संगठन

10. मार्च 2014 में व्यक्तियों के प्रति बकाया राशि का लगभग एक-चौथाई (24.3 प्रतिशत) एसबीए खातों के तहत था जिसमें से चार बटे पांच से अधिक क्रेडिट खाते 'हाउसहोल्ड-वैयक्तिक' थे।

सारणी 4: छोटे उधार खाते:संगठन-वार: मार्च 2014

(खातों की सं. हजार में, राशि ₹ मिलियन में)

संगठन	छोटे उधार खाते			सभी खाते			सभी खातों में एसबीए का प्रतिशत हिस्सा	
	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि का हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि का हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि
सरकारी क्षेत्र	109	4,561	0.1	167	11,430,081	18.2	64.8	0.0
सहकारी क्षेत्र	65	2,739	0.1	114	417,927	0.7	56.8	0.7
निजी कारपोरेट	265	22,643	0.4	961	23,602,212	37.6	27.6	0.1
हाउसहोल्ड वैयक्तिक	106,319	5,096,409	96.8	132,316	20,975,720	33.4	80.4	24.3
हाउसहोल्ड अन्य	1,121	66,042	1.3	3,074	5,810,776	9.2	36.5	1.1
अन्य	1,347	74,518	1.4	2,118	584,109	0.9	63.6	12.8
सभी खाते	**109,225**	**5,266,911**	**100.0**	**138,751**	**62,820,824**	**100.0**	**78.7**	**8.4**

सहकारी क्षेत्र के लगभग 56.8 प्रतिशत खाते एसबीए थे यद्यपि बकाया राशि के संदर्भ में उनका भागीदारी नगण्य (0.7 प्रतिशत) थी। 'हाउसहोल्ड-अन्य' के मामले में, 36.5 प्रतिशत खाते एसबीए श्रेणी के थे जबकि निजी कारपोरेट क्षेत्र के ऋण खातों का लगभग 27.6 प्रतिशत इस श्रेणी में था।

11. 106 मिलियन एसबीए के साथ 'हाउसहोल्ड-वैयक्तिक' क्षेत्र की सभी एसबीए में मजबूत हिस्सेदारी थी और मार्च 2014 में एसबीए के बकाया ऋण के संबंध में इसकी हिस्सेदारी 96.8 प्रतिशत की थी। इसके विपरीत, कुल क्रेडिट के संबंध में, बकाया क्रेडिट में 36.6 प्रतिशत के साथ 'निजी कारपोरेट क्षेत्र' का हिस्सा सबसे अधिक था और इसके बाद 33.4 प्रतिशत के हिस्से के साथ 'हाउसहोल्ड-वैयक्तिक' क्षेत्र की हिस्सेदारी थी (सारणी 4)।

III.4: ब्याज दर

12. खातों की संख्या के संदर्भ में, 94.4 प्रतिशत और 90.8 प्रतिशत क्रेडिट खाते क्रमशः ब्याज दर की पराकाष्ठा की श्रेणियों अर्थात् जिनकी 'ब्याज दर की सीमा 6 प्रतिशत से कम' तथा '20 प्रतिशत और उससे अधिक' में थे, ये एसबीए के तहत थे। बकाया राशि के संदर्भ में, ब्याज दर '6 प्रतिशत से 9 प्रतिशत' की श्रेणी में 46.0 प्रतिशत की बकाया राशि एसबीए के तहत थी और '20 प्रतिशत और उससे अधिक' के ब्याज के साथ बकाया राशि में 41.3 प्रतिशत एसबीए के तहत थे। उच्च दर वाले एसबीए मुख्यतः वैयक्तिक क्रेडिट कार्ड क्षेत्र से संबंधित थे। एसबीए के मामले में, जहां '6 प्रतिशत से 9 प्रतिशत' को ब्याज दर सीमा में क्रेडिट का बकाया लगभग 30 प्रतिशत था और 37 प्रतिशत बकाया '10 प्रतिशत से 13 प्रतिशत' की श्रेणी के तहत था। कुल क्रेडिट का वितरण यह दर्शाता है कि कुल क्रेडिट बकाया का लगभग 60 प्रतिशत '10 प्रतिशत से 13 प्रतिशत' की ब्याज दर सीमा में था (सारणी-5)।

13. समग्र रूप से 'समस्त खातों' और बचत बैंक खातों की समस्त 'भारित औसत उधार दर(डब्लूएआर)' एक ही दर पर

सारणी 5: छोटे उधार खाते: ब्याज दर-वार *: मार्च 2014

(खातों की सं. हजार में, राशि ₹ मिलियन में)

ब्याज दर सीमा	छोटे उधार खाते			सभी खाते			सभी खातों में एसबीए का प्रतिशत हिस्सा	
	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि का हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि का हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि
6% से कम	3,553	58,547	1.1	3,763	989,529	1.6	94.4	5.9
6% से अधिक परंतु 9% से कम	25,478	1,563,271	29.7	29,186	3,395,639	5.6	87.3	46.0
9% से अधिक परंतु 10% से कम	1,607	59,296	1.1	2,115	1,067,561	1.8	76.0	5.6
10% से अधिक परंतु 11% से कम	11,517	490,201	9.3	16,664	15,437,693	25.5	69.1	3.2
11% से अधिक परंतु 12% से कम	10,372	584,878	11.1	14,172	9,387,198	15.5	73.2	6.2
12% से अधिक परंतु 13% से कम	14,658	878,151	16.7	18,913	11,160,222	18.5	77.5	7.9
13% से अधिक परंतु 14% से कम	8,257	463,930	8.8	11,885	8,562,304	14.2	69.5	5.4
14% से अधिक परंतु 15% से कम	7,445	429,284	8.2	10,211	5,545,665	9.2	72.9	7.7
15% से अधिक परंतु 16% से कम	2,529	163,117	3.1	4,506	2,391,688	4.0	56.1	6.8
16% से अधिक परंतु 20% से कम	8,051	303,606	5.8	9,834	1,890,091	3.1	81.9	16.1
20% से अधिक	15,612	264,294	5.0	17,193	639,985	1.1	90.8	41.3
सभी खाते	**109,080**	**5,258,574**	**100.0**	**138,442**	**60,467,575**	**100.0**	**78.8**	**8.7**

मेमो मदें: भारित औसत उधार दर (डब्ल्यूएएलआर)$ *(प्रतिशत में)*

	छोटे उधार खाते	सभी खाते
सभी क्षेत्र	12.00	12.01
जिसमें से: क्रेडिट कार्ड	35.65	36.20
क्रेडिट कार्डों को छोड़कर सभी क्षेत्र	11.13	11.89

* खरीदे/डिसकाउंट दिए गए आंतरिक/ विदेशी बिलों को छोड़कर, टीसी/डीडी/एमटी आदि को छोड़कर
$ डब्ल्यूएएलआर खाता स्तर पर आधारित जोड़ है: गणना के लिए बकाया राशि को 'भार' के रूप में लिया गया है।

सारणी 6: छोटे उधार खाते : आस्ति की गुणवत्ता के हिसाब से* : मार्च, 2014

(खातों की संख्या हजार में, राशि मिलियन रुपए में)

आस्तियों के प्रकार	छोटे उधार खाते			सभी खाते			समस्त खातों में बचत बैंक खातों का हिस्सा	
	खातों की संख्या	बकाया राशि	हिस्से कि राशि (%)	खातों की संख्या	बकाया राशि	हिस्से कि राशि (%)	खातों की संख्या	बकाया राशि
मानक आस्तियां	99,429	4,937,535	94.0	127,702	60,212,203	95.9	77.9	8.2
अवमानक आस्तियां	3,178	129,879	2.5	3,683	1,066,801	1.7	86.3	12.2
संदिग्ध आस्तियां	5,100	161,957	3.1	5,695	1,305,048	2.1	89.6	12.4
हानि वाली आस्तियां	1,227	21,051	0.4	1,359	208,861	0.3	90.3	10.1
समस्त खाते	**108,935**	**5,250,422**	**100.0**	**138,440**	**62,792,913**	**100.0**	**78.7**	**8.4**

*कुल 138, 750,882 खातों में से रिपोर्ट किए गए 138, 439, 555 खातों पर आधारित, जो 99.9 प्रतिशत ऋण को कवर करते हैं।

तकरीबन 12.00 प्रतिशत पर थी। लेकिन, वैयक्तिक क्रेडिट कार्ड को छोड़कर (किसान क्रेडिट कार्ड को छोड़कर), बचत बैंक खातों की डब्लूएआर, समस्त खातों को मिलाकर 11.89 प्रतिशत की तुलना में 11.13 प्रतिशत थी जो कम थी।

III.5: आस्ति गुणवत्ता

14. मार्च, 2014 की समाप्ति पर मानक आस्ति के रूप में वर्गीकृत समस्त खातों में बचत बैंक खाते का हिस्सा 77.9 प्रतिशत था जबकि बकाया राशि के रूप में इन खातों का हिस्सा 8.2 प्रतिशत था जो समस्त बचत बैंक खाता के हिस्से से थोड़ा कम था। संख्या की दृष्टि से समस्त खातों में से जो खाते सबसे ज्यादा एनपीए के रूप में वर्गीकृत किए गए थे वे बचत बैंक खाता थे (86.3 प्रतिशत), (सारणी 6)।

15. समस्त खातों में से मानक आस्ति के रूप में वर्गीकृत ऋणों की राशि 95.9 प्रतिशत थी जबकि बचत बैंक खातों के मामले में यह प्रतिशत 94.0 प्रतिशत के कम स्तर पर था। एनपीए की प्रत्येक श्रेणी में समस्त खातों में से बचत बैंक खातों का हिस्सा संख्या के हिसाब से और बकाया राशि की दृष्टि से सबसे अधिक था (सारणी 6)।

III.6: उधारकर्ता की श्रेणी

16. बचत बैंक खाता समूह में कृषि एवं संबद्ध कार्यकलापों के अंतर्गत 'छोटे/लघु कृषक/ श्रमिक/अधिया फसल' तथा 'अन्य किसान/उधारकर्ता' का वर्चस्व(80-90 प्रतिशत) था (सारणी 7)। इस श्रेणी के अंतर्गत 'छोटे/लघु कृषक/ श्रमिक/अधिया फसल' का कुल उधारी खातों की तुलना में ऋण का बकाया हिस्सा 58.0 प्रतिशत था और संख्या की दृष्टि से इसका हिस्सा 90 प्रतिशत था। कृषि एवं संबद्ध कार्यकलापों के अंतर्गत 'अन्य किसान/उधारकर्ता' का बकाया राशि के हिसाब से हिस्सा 31.0 प्रतिशत था जबकि समस्त खातों में संख्या की दृष्टि से इसका हिस्सा 81.2 प्रतिशत था।

17. बकाया राशि के संबंध में जहां समस्त खातों का एक-तिहाई हिस्सा बड़े उद्यमों से संबंधित है, बचत बैंक खातों के संबंध में 'छोटे/लघु कृषक/ श्रमिक/अधिया फसल' समूह के उधारकर्ताओं द्वारा समान हिस्सेदारी थी, उसके बाद कृषि एवं संबद्ध कार्यकलापों के अंतर्गत 'अन्य किसान/उधारकर्ता' श्रेणी का हिस्सा 27.7 प्रतिशत था(सारणी 7)।

III.7: जनसंख्या समूह

18. ग्रामीण जनसंख्या समूह केंद्रों में, समस्त ऋण खातों में से 87.2 प्रतिशत खाते बचत बैंक खाते थे और बकाया ऋणों में उनका प्रतिशत लगभग 42 था (सारणी 8)। दूसरी ओर महानगरीय केंद्रों में बकाया ऋणों का 1.3 प्रतिशत बचत बैंक खातों का था, हालांकि संख्या की दृष्टि से इन खातों का हिस्सा 72.3 प्रतिशत था।

सारणी 7 : छोटे उधार खाते : उधारकर्ता की श्रेणी के हिसाब से: मार्च, 2014

(खातों की संख्या हजार में, राशि मिलियन रुपए में)

उधारकर्ता की श्रेणी	छोटे उधार खाते			समस्त खाते			समस्त खातों में बचत बैंक खातों का प्रतिशत हिस्सा	
	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि में हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि में हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि
सूक्ष्म/लघु उद्यम	7,045	296,197	5.6	10,378	6,807,197	10.8	67.9	4.4
मझोले उद्यम	442	18,091	0.3	627	2,960,714	4.7	70.6	0.6
बड़े उद्यम	190	16,445	0.3	557	20,832,406	33.2	34.1	0.1
छोटे/सीमांत किसान/श्रमिक/अधिया फसल	32,110	1,775,010	33.7	35,795	3,058,165	4.9	89.7	58.0
अन्य किसान/कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों के उधारकर्ता	22,466	1,457,366	27.7	27,655	4,693,755	7.5	81.2	31.0
अन्य सभी	46,972	1,703,802	32.3	63,739	24,468,588	38.9	73.7	7.0
समस्त खाते	**109,225**	**5,266,911**	**100.0**	**138,751**	**62,820,824**	**100.0**	**78.7**	**8.4**

19. समस्त ऋण खातों में, 8-11 प्रतिशत ऋण ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को दिया गया था, जबकि बचत बैंक खातों के मामले में 35-42 प्रतिशत तक का हिस्सा इन क्षेत्रों में दिया गया था(सारणी 8)।

IV. मार्च, 2014 और मार्च, 2013 के सर्वेक्षणों की तुलनात्मक स्थिति:

20. मार्च, 2013 में, समस्त बचत खातों में बकाया राशि में कृषि (प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से) का हिस्सा 57.3 प्रतिशत था, जो मार्च, 2014 में बढ़कर 65.8 प्रतिशत हो गया। उसी अवधि में, बचत खातों में बकाया राशि में 'उद्योग' और 'आवास ऋण' का हिस्सा क्रमशः 4.8 प्रतिशत एवं 3.8 प्रतिशत से घटकर 1.4 प्रतिशत एवं 1.9 प्रतिशत हो गया(सारणी 9)। मार्च, 2014 में, बचत बैंक खातों में बकाया राशि में 'मीयादी ऋण' का हिस्सा 33.9 प्रतिशत जो एक वर्ष पूर्व 31.6 प्रतिशत था(सारणी 10)। बकाया ऋण राशि में गृहस्थ-व्यक्तियों का हिस्सा मार्च, 2013 में 94.1 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2014 में 96.8 प्रतिशत हो गया था(सारणी 11)।

21. बचत बैंक खातों की 'भारित औसत उधार दर' 41 आधार अंक बढ़कर मार्च, 2014 में 12.00 प्रतिशत हो गई थी जो एक वर्ष पूर्व 2013 में 11.59 प्रतिशत थी। वर्ष के दौरान व्यक्तिगत क्रेडिट कार्ड (केसीसी के अलावा) की 'भारित औसत उधार दर' 224 आधार अंक बढ़ गई थी। क्रेडिट कार्डों को छोड़कर, बचत

सारणी 8: छोटे उधार खाते: जनसंख्या समूहवार: मार्च, 2014

(खातों की संख्या हजार में, राशि मिलियन रुपए में)

उधारकर्ता की श्रेणी	छोटे उधार खाते			समस्त खाते			समस्त खातों में बचत बैंक खातों का प्रतिशत हिस्सा	
	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि में हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि	राशि में हिस्सा (%)	खातों की सं.	बकाया राशि
ग्रामीण	41,781	2,190,976	41.6	47,896	5,246,134	8.4	87.2	41.8
अर्ध-शहरी	30,499	1,832,193	34.8	38,290	6,640,959	10.6	79.7	27.6
शहरी	13,258	721,947	13.7	19,801	10,053,428	16.0	67.0	7.2
महानगरीय	23,688	521,795	9.9	32,764	40,880,303	65.1	72.3	1.3
समस्त खाते	**109,226**	**5,266,911**	**100.0**	**138,751**	**62,820,824**	**100.0**	**78.7**	**8.4**

सारणी 9: छोटे उधार खाते: व्यवसायवार वितरण: मार्च 2013 - मार्च 2014

(हिस्सा प्रतिशत में, राशि हज़ार रुपए में)

31 मार्च की स्थिति	2013			2014		
व्यवसाय	**खातों की संख्या का हिस्सा**	**बकाया राशि का हिस्सा**	**प्रति खाता औसत राशि**	**खातों की संख्या का हिस्सा**	**बकाया राशि का हिस्सा**	**प्रति खाता औसत राशि**
कृषि(प्रत्यक्ष वित्त)	49.0	54.6	56.1	51.4	62.1	58.3
कृषि(परोक्ष वित्त)	2.6	2.7	52.8	3.3	3.7	54.3
उद्योग	1.3	4.8	180.7	1.4	1.4	48.2
परिवहन परिचालक	1.1	1.0	43.7	1.0	1.0	49.5
पेशेवर सेवाएं	1.5	1.7	55.8	1.9	1.9	46.7
वैयक्तिक ऋण	31.7	22.8	40.0	30.7	22.0	34.6
आवास ऋण	1.8	3.8	105.3	1.5	1.9	60.8
थोक बिक्री ऋण	0.1	0.5	198.7	0.2	0.2	67.8
खुदरा ऋण	5.7	5.1	45.3	4.3	3.8	42.3
वित्त	0.6	0.7	66.9	0.3	0.3	51.1
अन्य सभी	4.5	2.2	24.4	4.0	1.7	19.8
समस्त खाते	**99.9**	**99.9**	**50.3**	**100.0**	**100.0**	**48.2**

सारणी 10: छोटे उधार खाते: खातों के प्रकार के हिसाब से वितरण: मार्च 2013 - मार्च 2014

(हिस्सा प्रतिशत में, राशि हज़ार रुपए में)

31 मार्च की स्थिति	2013			2014		
खातों के प्रकार	**खातों की संख्या का हिस्सा**	**बकाया राशि का हिस्सा**	**प्रति खाता औसत राशि**	**खातों की संख्या का हिस्सा**	**बकाया राशि का हिस्सा**	**प्रति खाता औसत राशि**
नकद ऋण	6.6	7.0	53.9	6.8	7.3	52.1
ओवरड्राफ्ट	4.1	2.1	25.3	4.4	2.3	25.4
मांग ऋण	59.6	56.3	47.5	57.4	56.2	47.2
जिसमें से:						
किसान क्रेड़ट कार्ड	*21.8*	*24.4*	*56.3*	*20.4*	*25.0*	*58.9*
केसीसी से इतर कार्ड	*15.4*	*3.8*	*12.5*	*14.4*	*3.5*	*11.8*
मध्यावधि ऋण	11.9	10.2	43.1	14.5	13.3	44.2
दीर्घकालिक ऋण	17.6	21.4	61.1	16.8	20.6	59.1
अन्य	0.2	3.0	69.9	0.1	0.3	96.6
समस्त खाते	**100**	**100**	**50.3**	**100**	**100**	**48.2**

सारणी 11: छोटे उधार खाते: संगठनवार वितरण: मार्च 2013 - मार्च 2014

(हिस्सा प्रतिशत में, राशि हज़ार रुपए में)

31 मार्च की स्थिति	2013			2014		
संगठन	**खातों की संख्या का हिस्सा**	**बकाया राशि का हिस्सा**	**प्रति खाता औसत राशि**	**खातों की संख्या का हिस्सा**	**बकाया राशि का हिस्सा**	**प्रति खाता औसत राशि**
सार्वजनिक क्षेत्र	0.1	0.5	196.6	0.1	0.1	42.0
सहकारी क्षेत्र	0.2	0.2	52.1	0.1	0.1	42.1
निजी कार्पोरेट	0.3	2.2	48.5	0.2	0.4	85.5
गृहस्थ-व्यक्ति	97.2	94.1	48.7	97.3	96.8	47.9
गृहस्थ-अन्य	0.9	1.6	88.4	1.0	1.3	58.9
अन्य	1.3	1.4	154.2	1.2	1.4	55.3
समस्त खाते	**100**	**100**	**50.3**	**100**	**100**	**48.2**

सारणी 12: छोटे उधार खाते: ब्याज-दर के हिसाब से वितरण*: मार्च 2013 - मार्च 2014

(हिस्सा प्रतिशत में, राशि हज़ार रुपए में)

31 मार्च की स्थिति	2013			2014		
ब्याज-दर की रेंज	खातों की संख्या का हिस्सा	बकाया राशि का हिस्सा	प्रति खाता औसत राशि	खातों की संख्या का हिस्सा	बकाया राशि का हिस्सा	प्रति खाता औसत राशि
6% से कम	4.5	2.4	26.1	3.3	1.1	16.5
6% और अधिक किंतु 10% से कम	24.0	28.9	59.3	23.4	29.7	61.4
9% और अधिक किंतु 10% से कम	4.3	4.8	54.7	1.5	1.1	36.9
10% और अधिक किंतु 11% से कम	6.8	8.1	58.6	10.6	9.3	42.6
11% और अधिक किंतु 12% से कम	10.4	11.9	56.4	9.5	11.1	56.4
12% और अधिक किंतु 13% से कम	10.0	11.7	57.8	13.4	16.7	59.9
13% और अधिक किंतु 14% से कम	9.2	11.5	61.2	7.6	8.8	56.2
14% और अधिक किंतु 15% से कम	8.3	9.7	57.2	6.8	8.2	57.7
15% और अधिक किंतु 16% से कम	2.3	3.2	70.2	2.3	3.1	64.5
16% और अधिक किंतु 20% से कम	14.6	4.2	32.0	7.4	5.8	37.7
20% और अधिक	5.5	3.6	14.2	14.3	5.0	16.9
समस्त खाते	**100**	**100**	**50.3**	**100**	**100**	**48.2**

मेमो मदें: भारित औसत उधार दर (डब्ल्यूएएलआर)$ *(प्रतिशत में)*

	2013	2014
सभी क्षेत्र	11.59	12.00
जिसमें से: क्रेडिट कार्ड	33.41	35.65
क्रेडिट कार्डों को छोड़कर सभी क्षेत्र	10.89	11.13

* खरीदे/डिसकाउंट दिए गए आंतरिक/ विदेशी बिलों को छोड़कर, टीसी/डीडी/एमटी आदि को छोड़कर
$ डब्ल्यूएएलआर खाता स्तर पर आधारित जोड़ है: गणना के लिए बकाया राशि को 'भार' के रूप में लिया गया है।

बैंक खातों की 'भारित औसत उधार दर' में 24 आधार अंक की वृद्धि हुई थी जो एक वर्ष पूर्व के 10.89 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2014 में 11.13 प्रतिशत हो गई थी(सारणी 12)।

22. बचत बैंक खातों में बकाया राशियों में मानक आस्तियों का हिस्सा मार्च 2013 के 92.7 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 2014 में 94.0 प्रतिशत हो गया था, जो आस्ति की गुणवत्ता बेहतर होने का

सारणी 13: छोटे उधार खाते: आस्ति की गुणवत्ता के हिसाब से वितरण: मार्च 2013 - मार्च 2014

(हिस्सा प्रतिशत में, राशि हज़ार रुपए में)

31 मार्च की स्थिति	2013*			2014#		
आस्तियों के प्रकार	खातों की संख्या का हिस्सा	बकाया राशि का हिस्सा	प्रति खाता औसत राशि	खातों की संख्या का हिस्सा	बकाया राशि का हिस्सा	प्रति खाता औसत राशि
मानक आस्तियां	90.4	92.7	52.1	91.3	94.0	49.7
अवमानक आस्तियां	3.3	3.0	47.2	2.9	2.5	40.9
संदिग्ध आस्तियां	5.1	3.6	35.3	4.7	3.1	31.8
हानि वाली आस्तियां	1.2	0.7	29.5	1.1	0.4	17.2
समस्त खाते	**100**	**100**	**50.3**	**100**	**100**	**48.2**

* कुल 128,286,291 खातों में से रिपोर्ट किए गए कुल 126,800,738 खातों पर आधारित, कुल खाते 99.9% ऋण को कवर करते हैं।
# कुल 138,750,882 खातों में से रिपोर्ट किए गए कुल 138,439,555 खातों पर आधारित, कुल खाते 99.9% ऋण को कवर करते हैं।

सारणी 14: छोटे उधार खाते: जनसंख्यावार वितरण: मार्च 2013 - मार्च 2014

(हिस्सा प्रतिशत में, राशि हज़ार रुपए में)

31 मार्च की स्थिति	2013			2014		
जनसंख्या समूह	खातों की संख्या का हिस्सा	बकाया राशि का हिस्सा	प्रति खाता औसत राशि	खातों की संख्या का हिस्सा	बकाया राशि का हिस्सा	प्रति खाता औसत राशि
ग्रामीण	38.2	38.1	50.2	38.3	41.6	52.4
अर्ध-शहरी	27.3	32.4	59.7	27.9	34.8	60.1
शहरी	12.0	14.8	61.7	12.1	13.7	54.5
महानगरीय	22.5	14.7	32.9	21.7	9.9	22.0
समस्त खाते	**100**	**100**	**50.3**	**100**	**100**	**48.2**

संकेत देता है (सारणी 13)। मार्च 2013 एवं मार्च 2014 में बचत बैंक खाते दो-तिहाई ग्रामीण तथा अर्ध-शहरी केंद्रों में थे, इन खातों में मार्च 2014 में बकाया ऋण राशि का हिस्सा 76.4 प्रतिशत था(एक वर्ष पूर्व यह हिस्सा 70.5 प्रतिशत था)।